मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 288
शुक्रवार, 08 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तारः नीतीश कुमार के बेटे निशांत बने मंत्री, सम्राट की टीम में 32 नए चेहरे शामिल

पटना, 07 मई। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नीतीश कुमार, राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और अन्य नेताओं की उपस्थिति में हुआ। मंत्रिमंडल विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए। सबसे पहले श्रवण कुमार, विजय कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार जयसवाल, निशांत कुमार और लेशी सिंह ने बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली।

पांच-पांच विधायकों ने एक साथ मंत्रीपद की शपथ ली है। दूसरी बार

में राम कृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह 'टाइगर' और अशोक चौधरी ने पटना में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं की उपस्थिति में बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन और रमा निषाद ने पटना में बिहार मंत्री के रूप में शपथ ली।

रत्नेश सादा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, केदार प्रसाद गुप्ता और लखेन्द्र कुमार रौशन ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मोहम्मद जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और प्रमोद कुमार ने बिहार मंत्री के रूप में शपथ ली। हिंदी पट्टी के इस महत्वपूर्ण राज्य में सत्ता का नेतृत्व भाजपा को पिछले महीने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद मिला। बिहार में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के लिए मुख्यमंत्री पद छोड़ा था। ज्य सरकार में फिलहाल केवल दो मंत्री हैं– जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव– जिन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। इसे सत्ता संतुलन में बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। पहले नीतीश कुमार सरकार में सम्राट चौधरी और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री थे। संविधान के अनुसार, राज्य विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जा सकता। बिहार विधानसभा में 243 सदस्य हैं, इसलिए राज्य मंत्रिपरिषद में अधिकतम 36 सदस्य हो सकते हैं।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस डर और हिंसा की राजनीति को बढ़ावा दे रही है : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 07 मई। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की मध्यमग्राम में बाइक सवार हमलावरों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला ?है। प्रधान ने कहा कि टीएमसी पश्चिम बंगाल में ₹खून से सनी राजनीतिक संस्कृति₹ को बढ़ावा दे रही है। एक्स पर किए गए पोस्ट में प्रधान ने इस हत्या को बर्बर और कायरतापूर्ण करार दिया और 'टीएमसी के गुंडों' पर हिंसा और डराने धमकाने के जरिए भाजपा कार्यकताओं व समर्थकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

प्रधान ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी जी के सहायक चंद्रनाथ रथ की नृशंस हत्या, ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल में टीएमसी द्वारा शुरू की गई खून से सनी राजनीतिक

संस्कृति की एक और भयावह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों को डराने-धमकाने की राजनीति के आगे झुकने से इंकार करने के कारण बार-बार हमलों और हत्याओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि यह कोई छिटपुट हिंसा नहीं है, बल्कि विपक्ष को कुचलने के लिए बनाया गया आतंक का एक जानबूझकर तैयार किया गया तंत्र है।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि ममता बनर्जी और टीएमसी 'धमकी, क्रूरता और राजनीतिक रक्तपात' का सहारा ले रहे हैं। क्योंकि पार्टी राज्य पर अपनी पकड़ खो रही है। उन्होंने कहा कि आज राज्य जो देख रहा है वह सीधे तौर पर लोकतंत्र पर हमला है, जहां असहमति का जवाब हिंसा से दिया जाता है और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को हत्या के औचित्य के रूप में माना जाता है। प्रधान ने जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा व बदले की कोई जगह नहीं है और कहा कि राजनीतिक हिंसा के लिए जिम्मेदार लोग, चाहे वे अपराधी हों या उनके संरक्षक, कानून के तहत जवाबदेह ठहराए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रनाथ रथ और अन्य भाजपा कार्यकताओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और पश्चिम बंगाल में शांति एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को बहाल करने का संकल्प जारी रहेगा। अंत में, उन्होंने रथ के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

असम का अगला सीएम कौन, पीएम मोदी की मौजूदगी में 12 मई को शपथ

असम, 07 मई। असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए असम के पुलिस महानिदेशक के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री मोदी नव निर्वाचित मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए असम आ रहे हैं। यह समारोह 12 मई को गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में आयोजित किया जाएगा। पर जारी एक बयान में मुख्य सचिव ने कहा कि यह समारोह 12 मई को खानपारा स्थित पशु चिकित्सा क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा और इसमें कई राज्यों के माननीय मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और उद्योग जगत के विशिष्ट प्रतिनिधि शामिल होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की

तैयारियों, प्रोटोकॉल और अंतर-विभागीय समन्वय से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सुचारू संचालन, निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन और सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। सभी संबंधित विभागों को उच्चतम स्तर की तैयारी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है ताकि समारोह सुचारू रूप से, सुरक्षित रूप से और इस अवसर की महत्ता के अनुरूप संपन्न हो सके। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप सैकिया ने एएनआई को बताया कि पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की निगरानी के लिए 9 मई को गुवाहाटी पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि 10 मई को गुवाहाटी में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए की बैठक होगी जिसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहेंगे। इससे पहले, असम के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस्तीफा दे दिया था, जिससे पार्टी को मिले निर्णायक चुनावी जनादेश के बाद नए मंत्रिमंडल के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ। सरमा ने पुष्टि की कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी को असम के अगले मुख्यमंत्री के चयन की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

महिलाओं की आवाज बनी जनसुनवाई, संवेदनशील प्रशासन का दिखा चेहरा

- कारागार से चौपाल तक महिला सशक्तिकरण का संदेश, आयोग की सदस्या गीता विश्वकर्मा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश
- कुल 35 प्रकरण में से पांच मामलों का मौके पर ही समाधान

सुरेश गांधी

वाराणसी। समाज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नारों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंचे, इसी उद्देश्य के साथ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या गीता विश्वकर्मा ने गुरुवार को वाराणसी में जनसुनवाई और निरीक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासनिक संवेदनशीलता का एक मजबूत संदेश दिया। जिला कारागार चौकाघाट से लेकर सर्किट हाउस सभागार तक दिनभर चले कार्यक्रमों में महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई, पुनर्वास, कौशल विकास और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे। इस दौरान आयोग की सदस्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महिलाओं से संबंधित मामलों में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी और हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम की शुरूआत जिला कारागार चौकाघाट के निरीक्षण से हुई। यहां महिला बैरक में निरुद्ध महिलाओं और उनके साथ रह रहे बच्चों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना गया। जेल के वातावरण में भी मानवीय संवेदना का स्पर्श दिखाई दिया, जब महिला बंदियों और बच्चों को मिष्ठान, फल और खिलौनों का वितरण किया

गया। निरीक्षण के दौरान गीता विश्वकर्मा ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि महिला बंदियों के लिए कौशल विकास और पुनर्वास संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जाएं, ताकि जेल से बाहर आने के बाद वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सामाजिक शोषण और असुरक्षा से बचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बंदियों को यह भी प्रेरित किया कि यदि वे किसी प्रकार की आय अर्जित कर रही हैं तो उसे स्वयं सुरक्षित रखें और आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को संवारें। यह संदेश केवल जेल परिसर तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज में महिलाओं की बदलती भूमिका और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को भी प्रतिबिंबित करता दिखा।

कारागार निरीक्षण के बाद सर्किट हाउस सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई में बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी समस्याएं लेकर पहुंचीं। कुल 35 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से पांच मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। बाकी मामलों को संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश के साथ अग्रसारित किया गया। प्राप्त शिकायतों में भूमि विवाद, महिला उत्पीड़न, नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, मकानों पर अवैध कब्जा और उपचार संबंधी समस्याएं प्रमुख रहीं। जनसुनवाई के दौरान कई महिलाओं ने अपनी व्यक्तिगत पीड़ा साझा की। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा था, तो कोई घरेलू हिंसा और प्रताड़ना से परेशान थी। कुछ महिलाएं रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार हुई थीं। इन शिकायतों ने यह भी उजागर किया कि महिलाओं के सामने सामाजिक और आर्थिक दोनों प्रकार की चुनौतियां अब भी गंभीर रूप से मौजूद हैं।

सुवेंदु अधिकारी का बड़ा आरोप, ममता बनर्जी को हराने की वजह से मेरे सहयोगी का हत्या हुआ

कोलकता, 07 मई। अपने सहायक कर्मचारी चंद्रनाथ रथ की हत्या के एक दिन बाद, भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि चंद्रनाथ रथ की हत्या का एकमात्र कारण यह है कि वह उनके कार्यकारी सहायक थे और उन्होंने भाबनीपुर में ममता बनर्जी को हराया था।

उन्होंने कहा कि चंद्रनाथ रथ की हत्या का एकमात्र कारण यह है कि वह मेरे कार्यकारी सहायक थे और मैंने भाबनीपुर में ममता बनर्जी को हराया था। मैं अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा करूंगा।

सुवेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ का पार्थिव शरीर मध्यग्राम के अस्पताल से उनके आवास पर लाया गया। इस दौरान सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि इस हत्या की हम जितनी भी निंदा करें, वह काफी नहीं है।

यमुना में नाव पहलटने से 6 लोगों की मौत, मृतकों में 5 नाबालिग

हमीरपुर, 07 मई। हमीरपुर जिले में यमुना नदी में एक नाव पलटने के बाद पांच बच्चों और एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने शव बरामद किए।

मृतकों की पहचान आकांक्षा (9), रानी (9), बृजरानी (25), लाभयांश (5), महेश (6) और आदित्य (11) के रूप में हुई। पुलिस ने बृहस्पतिवार

को बताया कि भौली ग्राम पंचायत के मजरा कुतुबपुर पटिया में बुधवार शाम यमुना नदी में एक नाव पलट गई जिसके बाद उस पर सवार नौ लोग डूबने लगे। उन्होंने बताया कि नाव चला रहे धीरू नामक किशोर ने तीन लोगों को बचा लिया लेकिन आकांक्षा, रानी, बृजरानी, लाभयांश, महेश और आदित्य डूब गए। थानाध्यक्ष बृजेश कुमार ने बताया कि बचाव टीमों ने बाद में आकांक्षा, लाभयांश, महेश, रानी और बृजरानी के शव बरामद कर लिए जबकि आदित्य का शव बृहस्पतिवार देर शाम बरामद हुआ। इससे पहले उन्होंने बताया था कि सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण बचाव कार्य में टीमों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा। कुरारा के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

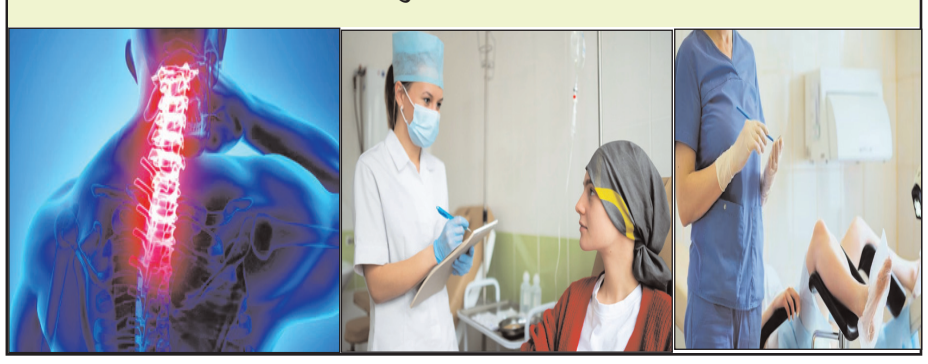

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

इंडी में बिखराव का खतरा: विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर-शराबा अधिक प्रमुख हो गया है।

इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था-भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक-दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आधार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुवेर्दी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंधन की आंतरिक स्थिति को और अधिक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दशार्ता है, बल्कि कार्यकताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय-सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दशार्ता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है। राजनीति में परिपक्वता का अर्थ है हार को स्वीकार करना, उससे सीखना और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाना, लेकिन इस दिशा में विपक्ष को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

विपक्षी गठबंधन के भीतर सबसे बड़ा संकट हितों का टकराव है, जहां हर दल अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने की कोशिश करता है और इसी प्रक्रिया में वह अपने सहयोगी दलों से भी प्रतिस्पर्धा करने लगता है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां सहयोग और प्रतिस्पर्धा एक साथ चलते हैं और अंततः यही स्थिति बिखराव को जन्म देती है। जब तक गठबंधन के भीतर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व की स्वीकृति नहीं होगी, तब तक यह टकराव समाप्त नहीं होगा। विपक्षी दलों की यह नाकामी केवल रणनीतिक कमजोरी नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व की मंशा और प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। जब विपक्ष जनहित के मुद्दों को छोड़कर सत्ता प्राप्ति के लिए अवसरवादी गठजोड़, भ्रामक प्रचार और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है, तब वह अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो देता है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनभावनाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व करना और सरकार को सही दिशा में प्रेरित करना है, न कि केवल विरोध के लिए विरोध करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपने आचरण और दृष्टिकोण में सुधार लाए, सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित राजनीति को पुनर्जीवित करे तथा जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करे। तभी भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में मजबूत और संतुलित बन सकेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष स्वयं को पुनर्गठित करे, अपनी वैचारिक स्पष्टता स्थापित करे और जनता के सामने एक सकारात्मक एवं ठोस विकल्प प्रस्तुत करे। केवल विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण और व्यवहारिक समाधान भी आवश्यक हैं। आंतरिक मतभेदों को सार्वजनिक करने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाना होगा और जनता के बदलते मिजाज को समझते हुए अपनी रणनीति को नया स्वरूप देना होगा। भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां मतदाता अधिक सजग और निर्णायक हो चुका है। ऐसे में गठबंधन की राजनीति को केवल संख्या के खेल से आगे बढ़कर विश्वास, समन्वय और स्पष्टता की नींव पर खड़ा होना होगा। बिखराव केवल राजनीतिक शक्ति को ही कमजोर नहीं करता, बल्कि लोकतंत्र के संतुलन को भी प्रभावित करता है। अंततः राजनीति में वही सफल होता है जो समय के साथ सीखता है, बदलता है और स्वयं को बेहतर बनाता है। ह्लहार को पचाना और उससे सीख लेनाह्व केवल एक कहावत नहीं, बल्कि सफल राजनीति का मूलमंत्र है, जिसे भाजपा ने बार-बार सिद्ध किया है और अब विपक्ष के सामने भी यही चुनौती है कि वह इस मूलमंत्र को अपनाकर अपने बिखराव को शक्ति में बदल पाए या फिर आंतरिक संघर्षों में उलझकर अपनी प्रासंगिकता खोता जाए।

बिखरते सियासी किलों के बीच इंडिया गठबंधन के अस्तित्व को बचाने की बड़ी चुनौती

-अजय कुमार

भारतीय राजनीति के फलक पर 2026 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने एक ऐसी लकीर खींच दी है, जिसने विपक्षी एकजुटता के दावों और 'इंडिया' गठबंधन के भविष्य पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। चुनावी मैदान के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि गठबंधन के भीतर की गहरी दरारों और वैचारिक विरोधाभासों को भी पूरी तरह नग्न कर देते हैं। एक तरफ कांग्रेस केरल में यूडीएफ के जरिए सत्ता की दहलीज पर खड़ी नजर आ रही है, तो दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में गठबंधन के दो सबसे मजबूत स्तंभों तृणमूल कांग्रेस और डीएमके का सत्ता से बेदखल होना पूरे विपक्ष के लिए किसी वज्रपात से कम नहीं है। विडंबना देखिए कि केरल में कांग्रेस की जीत उसी वामपंथ की हार की कीमत पर मिल रही है, जो राष्ट्रीय स्तर पर उसके साथ 'इंडिया' ब्लॉक में कंधे से कंधा मिलाकर चलने का दावा करता है। यह अंतर्विरोध बताता है कि गठबंधन की जमीन कितनी दरक चुकी है।

ममता बनर्जी और एम.के. स्टालिन जैसे कद्दावर नेताओं की अपने-अपने राज्यों में हार ने इस धारणा को पुख्ता कर दिया है कि क्षेत्रीय दलों का अभेद्य किला अब दरक रहा है। बंगाल में जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने अपनी जड़ें जमाई हैं और अंततः सत्ता हासिल की है, उसने न केवल राज्य की राजनीति को बदला है, बल्कि पूरे देश में विपक्ष के मनोबल को तोड़कर रख दिया है। अब सवाल सिर्फ सत्ता हासिल करने का नहीं रह गया है, बल्कि अस्तित्व को बचाने की एक बेहद कठिन लड़ाई का बन गया है। ममता बनर्जी अब भी एकजुटता का राग अलाप रही हैं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के फोन कॉल्स का हवाला देकर यह जताने की कोशिश कर रही हैं कि गठबंधन अभी टूटा नहीं है, लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता का यह कहना कि 'हम हारे नहीं, हमें हराया गया है' और चुनाव आयोग को खलनायक बताना, हार की हताशा को ही दशार्ता है।

गठबंधन के भीतर का विरोधाभास तब और गहरा हो जाता है जब हम चुनाव प्रचार के दौरान के बयानों को याद करते हैं। इसी बंगाल की जमीन पर राहुल गांधी ने ममता बनर्जी की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की थी। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों की पूछताछ का हवाला देकर ममता की नीयत पर सवाल उठाए थे। हालांकि, अब नतीजों के बाद राहुल गांधी के सुर बदले हुए हैं। वह एक्स पर बंगाल और असम के जनादेश की 'चोरी' की बात कर रहे हैं और इसे लोकतंत्र की हत्या बता रहे हैं। लेकिन क्या यह हृदय परिवर्तन केवल राजनीतिक मजबूरी है? कांग्रेस के भीतर ही अधीर रंजन चौधरी जैसे नेताओं के बयान राहुल के स्टैंड से मेल नहीं खाते। अधीर ने स्पष्ट रूप से इसे 'सत्ता विरोधी लहर' और 'भगवा लहर' का परिणाम बताया था। गठबंधन की इस खींचतान का सीधा फायदा सत्ताधारी दल को मिल रहा है, जो अब और भी अधिक आक्रामक होकर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजों ने एक नई चिंता को जन्म दिया है वह है क्षेत्रीय दलों के सांसदों के टूटने का डर। जिस तरह से आम आदमी पार्टी के सांसदों ने पाला बदला, वही खतरा अब टीएमसी और डीएमके पर भी मंडरा रहा है। लोकसभा में इन दोनों दलों के पास 81 सांसदों का बड़ा आंकड़ा है। यदि परिसीमन या यूसीसी (समान नागरिक संहिता) जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों पर बीजेपी को रोकना है, तो इन दलों को अपने कुनबे को बिखरने से बचाना होगा। लेकिन सत्ता हाथ से जाने के बाद विधायकों और सांसदों को एकजुट रखना किसी हिमालयी चुनौती से कम नहीं है। क्षेत्रीय राजनीति का दबदबा जो कभी भारतीय राजनीति की पहचान हुआ करता था, अब सिमटता जा रहा है। बिहार, दिल्ली और अब बंगाल-तमिलनाडु के उदाहरण बताते हैं कि मतदाता अब 'डबल इंजन' या एक मजबूत केंद्रीय नेतृत्व की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं।

अगले साल यानी 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनाव विपक्ष के लिए और भी बड़ी अग्निपरीक्षा साबित होने वाले हैं। इन सात में से पांच राज्यों में पहले से ही बीजेपी का कब्जा है। केवल पंजाब और हिमाचल प्रदेश में गैर-भाजपा सरकारें हैं, जिन पर अब 'तलवार' लटकती नजर आ रही है। असम में अपनी पकड़ मजबूत करने और बंगाल में झंडा गाड़ने के बाद बीजेपी का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं, विपक्षी खेमा आंतरिक कलह, नेतृत्व के संकट और स्पष्ट विजन की कमी से जूझ रहा है। बदरुद्दीन अजमल जैसे नेताओं के तीखे बयान, जो कांग्रेस को 'मुस्लिम लीग' बता रहे हैं, इस बात का सबूत हैं कि गठबंधन के घटक दल अब एक-दूसरे के खिलाफ ही कुआं खोद रहे हैं।

सत्ता अब विपक्ष की पहुंच से कोसों दूर दिखाई दे रही है। बीजेपी का बढ़ता ग्राफ और विपक्षी दलों का सिमटता प्रभाव यह संकेत दे रहा है कि आने वाले समय में यूसीसी और सीएए-एनआरसी जैसे विवादास्पद मुद्दों पर सरकार को किसी भी बड़े प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ेगा। विपक्ष के पास न तो अब चुनावी राज्यों का संसाधन बचा है और न ही वह नैतिक बल, जो जनता को आंदोलित कर सके। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की स्थिति हो या झारखंड और बिहार में क्षेत्रीय क्षत्रपों का संघर्ष, हर जगह कहानी एक ही है बिखरता कुनबा और बढ़ता भगवा दबाव। ऐसे में 'इंडिया' ब्लॉक का भविष्य केवल नेताओं की मुलाकातों और फोन कॉल्स तक सीमित रह जाएगा या वह सच में कोई ठोस विकल्प दे पाएगा, यह कहना अभी मुश्किल है। फिलहाल तो स्थिति यह है कि विपक्ष अपने घर को बचाने की जद्दोजहद में ही इतना उलझ गया है कि उसे सत्ता की लड़ाई का होश ही नहीं रहा। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जहां संतुलन पूरी तरह से एक तरफ झुकता हुआ नजर आ रहा है।

बंगाल की जीत से यूपी में सपा की चिंता और भाजपा का नया उत्साह

-संजय सक्सेना

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार सफलता ने उत्तर प्रदेश की सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर जो पोस्ट किया, उसमें एक गहरी चेतावनी छुपी थी। उन्होंने लिखा, 'हर फरेबी फतह की एक मियाद होती है, ये बात ही सच्चाई की बुनियाद होती है।' यह बयान महज ट्वीट नहीं, बल्कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए विपक्ष की मनोस्थिति का आईना है। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद सपा और कांग्रेस गठबंधन अब यूपी में अपनी रणनीति को नई सिरे से ढालने में जुट गया है। दरअसल, बंगाल के नतीजे विपक्ष के लिए कई सबक लेकर आए हैं। सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने साफ कहा कि तृणमूल की हार की बड़ी वजह भ्रष्टाचार और पुरानी सरकार के खिलाफ गुस्सा था। यूपी में भी भाजपा की सरकार दस साल पूरे कर चुकी है। ऐसे में एंटी इनकम्बेंसी का सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। लेकिन विपक्ष जानता है कि केवल इसी पर भरोसा करके 2027 नहीं जीता जा सकता। 2024 लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने यूपी में 43 सीटें हासिल की थीं। विधानसभा क्षेत्रों में यह आंकड़ा बहुमत के काफी करीब था। इस बढ़त को मोमेंटम में बदलने की कोशिश सपा कर रही है, लेकिन बंगाल की जीत ने भाजपा के कार्यकताओं में नई जान फूंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच राज्यों के नतीजों के बाद पार्टी कार्यालय में जो भाषण दिया, उसमें यूपी पर खास फोकस था। उन्होंने सपा पर तीखा हमला बोला और मिशन यूपी की शुरूआत का संकेत साफ दे दिया। अखिलेश यादव भी अपने कार्यकताओं को पहले से ही चेतावनी दे रहे थे कि बंगाल के बाद भाजपा का पूरा अमला यूपी की ओर मुड़ जाएगा। इसलिए सतर्क रहने की जरूरत है। विपक्ष की सबसे बड़ी चिंता अब कार्यकताओं का मनोबल बनाए रखने की है। बंगाल में ममता बनर्जी के साथ अखिलेश के अच्छे संबंध रहे हैं। ममता यूपी में प्रचार भी करने आई थीं। उनकी हार ने विपक्षी खेमे में निराशा फैलाई है। बसपा के लिए तो यह स्थिति और भी चुनौती भरी है। बाइपोलर चुनावों में बसपा का अस्तित्व बचाना अब आसान नहीं रह गया है। मायावती की पार्टी को 'बी टीम' का टैग झेलना पड़ रहा है। ऐसे में कई दलित और पिछड़े वोटर सपा को विकल्प के रूप में देख रहे हैं। सपा के वरिष्ठ नेता मानते हैं कि गैर-यादव ओबीसी, दलित और अन्य वर्गों में उनका सामाजिक विस्तार काफी हद तक कामयाब रहा है। कांग्रेस के साथ गठबंधन भी कायम रखने की कोशिश है। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का काम पिछले काफी समय से चल रहा है।

विपक्ष को लगता है कि बंगाल में भाजपा की जीत में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और अल्पसंख्यक वोटों के बंटवारे ने भी भूमिका निभाई। यूपी में इसे रोकने के लिए अखिलेश यादव ने अपने नेताओं और कार्यकताओं को सख्त हिदायत दी है। कोई ऐसा बयान या आचरण न हो जिससे भाजपा को फायदा मिले। कानून-व्यवस्था को लेकर लगाई जाने वाली आलोचना भी सीमित रखने की सलाह दी गई है। इसी क्रम में मंगलवार सुबह अखिलेश के सोशल मीडिया पर हनुमान चालीसा की पंक्तियां साझा की गईं। सॉफ्ट हिंदुत्व की छवि बनाने की कोशिश साफ नजर आ रही है। इटावा में केदारेश्वर मंदिर का लोकार्पण सावन के महीने में प्रस्तावित है। इसे भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। महिला आरक्षण जैसे मुद्दों पर भी सपा भाजपा को घेर रही है। विपक्ष की रणनीति अब ध्रुवीकरण से बचते हुए सामाजिक समीकरणों पर जोर देने की है। बंगाल के नतीजों का मनोवैज्ञानिक असर भले ही हो, लेकिन यूपी में एंटी इनकम्बेंसी भाजपा के खिलाफ काम कर सकती है। यह तर्क सपा के नेतृत्व को भरोसा दिला रहा है।

दूसरी ओर भाजपा में बंगाल की जीत से अपार उत्साह है। 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी भाजपा का प्रदर्शन काफी खराब रहा था। मात्र 33 सीटें मिलीं और वोट प्रतिशत 41.37 प्रतिशत पर सिमट गया। सहयोगी दलों को मिलाकर एनडीए 36 सीटों पर अटक गया। 2014 में 71 सीटों और 42.32 प्रतिशत वोट के मुकाबले यह गिरावट काफी तेज थी। 2019 में वोट प्रतिशत बढ़ा लेकिन सीटें घटीं। विधानसभा चुनावों में भी 2017 की तुलना में 2022 में भाजपा की सीटें कम हुईं। 312 से घटकर 255 रह गईं। इन निराशाजनक आंकड़ों के बावजूद भाजपा 2027 की तैयारी में पूरी तरह जुट गई है। प्रदेश महामंत्री संगठन दो साल से क्षेत्रवार और विधानसभा वार बैठकें कर रहे हैं। बूथ स्तर पर नए सिरे से समीक्षा हो रही है। नई जिला इकाइयां गठित की गई हैं। पंकज चौधरी प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद लगातार दौरों पर हैं। दूध और शक्ति केंद्रों का सत्यापन कर निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाया जा रहा है। बंगाल में यूपी के कई मंत्रियों और नेताओं की टीम लगी थी, इसलिए यह जीत यूपी भाजपा के लिए खास महत्व रखती है।

फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पार्टी के अंदर जातीय गोलबंदी एक बड़ी समस्या बन गई है। क्षत्रिय, ब्राह्मण, कुर्मी, लोध समेत अलग-अलग जातियों की बैठकें और दबाव पार्टी नेतृत्व के लिए चिंता का विषय हैं। यूजीसी विवाद और शंकराचार्य विवाद जैसे मुद्दों पर भी जातीय रंग साफ दिखा। सरकार और संगठन के बीच समन्वय की कमी की शिकायतें भी आती रहती हैं। अधिकतर बड़े चेहरे पूर्वांचल से होने के कारण क्षेत्रीय संतुलन बनाना भी मुश्किल हो रहा है। भाजपा नेतृत्व इन मुद्दों पर लगातार काम कर रहा है। मंडल और जिला कमेटियों में विभिन्न जातियों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की कोशिश हो रही है। मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश कार्यकारिणी में बदलाव के जरिए संतुलन साधने की कवायद चल रही है। सरकार और संगठन की बैठकें नियमित रूप से हो रही हैं ताकि कोई अंतर न रहे।

2027 का चुनाव अब सिर्फ एक साल से भी कम समय में है। दोनों तरफ तैयारियां तेज हो गई हैं। सपा सामाजिक विस्तार और समीकरणों पर भरोसा कर रही है तो भाजपा बंगाल की जीत से मिले मोमेंटम और संगठनात्मक मजबूती को भुनाने की कोशिश में है। अखिलेश यादव कार्यकताओं को सतर्क रखने पर जोर दे रहे हैं तो भाजपा मिशन मोड में काम कर रही है। यूपी की सियासत में यह लड़ाई अब केवल वोट और सीटों की नहीं, बल्कि मनोबल, रणनीति और भविष्य की दिशा तय करने की भी है। बंगाल का नतीजा यूपी के लिए एक नया अध्याय खोल गया है। देखना होगा कि विपक्ष इस चुनौती का कितना मुकाबला कर पाता है और भाजपा अपनी पिछली गिरावट को कितना दूर कर पाती है। 2027 का समर सामाजिक समीकरणों, जातीय गणित और विकास के एजेंडे के बीच होगा। दोनों पक्ष पूरी ताकत झोंक रहे हैं। नतीजा जो भी हो, यूपी की राजनीति फिर से नई दिशा लेगी।

बंगाल की राजनीति में भाजपा का उदय: संघर्ष, संकल्प और वैचारिकता का एक दशक

-पवन वर्मा-विनायक फीचर्स

बंगाल की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का पिछला दशक किसी महाकाव्य से कम नहीं है। यह एक ऐसी यात्रा रही है जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया। 2014 से पहले बंगाल में भाजपा की स्थिति एक हाशिए पर खड़े दल जैसी थी, लेकिन पिछले दस वर्षों में नरेंद्र मोदी का करिश्मा, अमित शाह की रणनीति और स्थानीय नेतृत्व के संघर्ष ने राज्य का भूगोल और इतिहास दोनों बदल दिए हैं।

2014 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने बंगाल के लोगों को एक नई उम्मीद दी। उस समय मोदी जी की रैलियों में उमड़े जनसैलाब ने यह स्पष्ट कर दिया कि बंगाल की जनता दशकों के वामपंथी शासन और फिर तृणमूल के शुरूआती वर्षों के बाद एक सशक्त राष्ट्रीय विकल्प की तलाश में है। पार्टी का वोट प्रतिशत अचानक एकल अंक से बढ़कर सत्रह प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसने राज्य की सत्ता के गलियारों में हलचल पैदा कर दी।

2014 से 2019 के बीच का समय भाजपा के लिए सबसे कठिन 'ग्राउंड वर्क' का काल था। इस दौरान तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने बंगाल को पार्टी के विस्तार का केंद्र बनाया। शाह की 'विस्तारक' योजना के तहत संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुँचाया गया। उन्होंने न केवल चुनावी रणनीति तैयार की, बल्कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विरासत को पुनर्जीवित कर इसे 'बंगाली अस्मिता' से जोड़ दिया। यह वह दौर था जब भाजपा ने बंगाल की माटी के साथ अपना भावनात्मक जुड़ाव बनाना शुरू किया। स कठिन मार्ग में हिंसा एक बड़ी बाधा बनी। राज्य के विभिन्न हिस्सों में कार्यकताओं की हत्याएं और झड़पें आम हो गईं। ऐसे समय में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दिलीप घोष ने मोर्चा संभाला। उनके निडर और आक्रामक नेतृत्व ने कार्यकताओं के मनोबल को टूटने नहीं दिया। दिलीप घोष ने खुद पर हुए हमलों की परवाह किए बिना ग्रामीण बंगाल के उन क्षेत्रों में पार्टी का झंडा गाड़ा जहाँ पहले जाना भी असंभव माना जाता था। उनकी जमीनी पकड़ ने भाजपा को 'भद्रलोक' की पार्टी के ठप्पे से निकालकर आम जनमानस की पार्टी बना दिया। 2019 के लोकसभा चुनावों ने बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया। 18 सीटों पर जीत और 40% से अधिक वोट शेयर ने ममता बनर्जी के 'अजेय' होने के भ्रम को तोड़ दिया। इसके बाद, 2021 के चुनावों से ठीक पहले शुभेंदु अधिकारी का भाजपा में शामिल होना एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। शुभेंदु ने न केवल तृणमूल के संगठनात्मक ढांचे को चोट पहुँचाई, बल्कि नंदीग्राम की ऐतिहासिक रणभूमि में स्वयं मुख्यमंत्री को पराजित कर भाजपा की शक्ति का लोहा मनवाया।

2021 के विधानसभा चुनाव भले ही भाजपा को सत्ता तक न ले जा सके हों, लेकिन 3 विधायकों से 77 विधायकों तक का सफर भाजपा के संघर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। इसके बाद के वर्षों में, विशेषकर 2024 और अब 2026 के दौर में, भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में विधानसभा के भीतर और बाहर एक प्रखर विपक्ष की भूमिका निभाई । संदेशखाली जैसी घटनाओं के बाद पैदा हुआ जन आक्रोश और महिला सुरक्षा व भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर शुभेंदु की आक्रामक घेराबंदी ने सरकार को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया है। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो भाजपा का यह 10 साल का संघर्ष इसलिए रंग लाया क्योंकि उसने बंगाल की बदलती नब्ज को पहचाना। नरेंद्र मोदी का विकासवाद, अमित शाह का संगठनात्मक कौशल, दिलीप घोष का जमीनी संघर्ष और शुभेंदु अधिकारी की राजनीतिक मारक क्षमता,इन सबने मिलकर बंगाल में एक ऐसा वैचारिक प्रतिस्थापन किया है जहाँ 'लाल' और 'हरे' के बीच 'भगवा' ने अपनी स्थाई जगह बना ली है। अब बंगाल की राजनीति पूरी तरह से द्वि-ध्रुवीय हो चुकी है। भाजपा आज केवल एक विकल्प नहीं है, बल्कि भविष्य की संभावित सरकार के रूप में बंगाल की जनता की चेतना और आकांक्षाओं का केंद्र बन चुकी है।

नागरिक चेतना की 'रांग साइड': भारतीय सड़कों पर पसरा एक राष्ट्रीय संकट

राजकुमार जैन (अरे ओ भिया) यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

भारत की सड़कों पर दौड़ते वाहनों का शोर अक्सर उन चीखों को दबा देता है, जो हमारी अपनी लापरवाही से पैदा होती हैं। इंदौर हो या दिल्ली, मुंबई, पटना, लखनऊ, जयपुर, बैंगलोर, कलकत्ता की कोई भी व्यस्त सड़क, कहानी सबकी एक जैसी है। शॉर्टकट के चक्कर में रांग साइड ड्राइविंग, यानी गलत दिशा में वाहन चलाना, आज केवल यातायात का उल्लंघन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी 'सामाजिक व्याधि' बन चुका है। महज कुछ मीटर की दूरी और चंद कतरे पेट्रोल बचाने की होड़ में हम अपनी और दूसरों की जान को दांव पर लगा देते हैं। यह विचारणीय है कि जिस देश में हम संस्कृति और संस्कारों की दुहाई देते हैं, वहां सार्वजनिक अनुशासन के प्रति हम इतने उदासीन क्यों हैं?

सुरक्षा नियमों का आविष्कार दंड देने के लिए नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा के लिए किया गया था। विडंबना यह है कि आधुनिक भारतीय मानस में नियम केवल 'चालान' से बचने का एक अवरोध मात्र बनकर रह गए हैं। हम हेलमेट इसलिए नहीं पहनते कि सिर सुरक्षित रहे, बल्कि इसलिए पहनते हैं ताकि चौराहे पर खड़े पुलिसकर्मी को रिश्वत या जुमार्ना न देना पड़े।

जब हम गलत दिशा में वाहन मोड़ते हैं, तो हम केवल यातायात नियम नहीं तोड़ रहे होते, बल्कि उस अलिखित सामाजिक अनुबंध को भी भंग कर रहे होते हैं जो एक सुरक्षित समाज की बुनियादी शर्त है। यह 'शॉर्टकट' की संस्कृति दरअसल हमारे उस उतावलेपन का प्रतीक है, जहाँ हम व्यक्तिगत सुविधा को सामूहिक सुरक्षा से ऊपर रखते हैं।

भारतीय नागरिकों का एक बड़ा वर्ग अक्सर व्यवस्था और पुलिस प्रशासन को कोसने में अग्रणी रहता है। दुर्घटना होने पर हम बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक विफलता का रोना रोते हैं, लेकिन क्या प्रशासन हमारी आंखों पर पट्टी बांधकर हमें रांग साइड जाने को मजबूर करता है? यहाँ हमारी दोहरी मानसिकता और भी मुखर हो जाती है। जब पुलिस सख्त होती है और बगैर तोड़ बट्टे के नियत जुमार्ने की विधिवत रसीद काटती है, तो हम उसे टारगेट पूरा करने का 'जुल्म' और 'अत्याचार' का नाम देते हैं। और यदि कोई ढील मिल जाए, तो हम उसे व्यवस्था का लचीलापन मानकर और अधिक नियम तोड़ते हैं। यदि बिना रसीद के मामला रफा-दफा हो जाए, तो हम उसे 'अवैध वसूली' कहकर व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा कर देते हैं। प्रश्न यह है कि क्या हम पुलिस की सख्ती के बिना सभ्य नहीं हो सकते? क्या हमारी नागरिकता केवल डंडे के डर तक सीमित है?

अक्सर आलोचना का स्वर 'आम आदमी' की लापरवाही की ओर होने पर लोग आपत्ति दर्ज करते हैं। लेकिन यह समझना अनिवार्य है कि यह आलोचना निंदा नहीं, बल्कि गहरी आत्मीय चिंता है। उस आम आदमी की जान की चिंता, जिसके कंधों पर उसका परिवार टिका है। सड़क पर की गई एक छोटी सी 'चतुराई' जैसे कि डिवाइडर के गलत ओर से निकल जाना प्रति वर्ष हजारों परिवारों को उजाड़ देती है। भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े किसी युद्ध में होने वाली मौतों से कम नहीं हैं, और इनमें से अधिकांश का कारण मानवीय भूल और नियमों की अनदेखी होती है। सड़कों पर दिशा बदलना आसान है, लेकिन मानसिकता की दिशा बदलना एक कठिन चुनौती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि अनुशासन की अपेक्षा दूसरों से करने से पहले, उसे स्वयं पर लागू करना होगा। यातायात नियम हमारे परिवार के प्रति हमारे प्रेम और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रमाण हैं। यदि हम एक विकसित और सुरक्षित भारत का स्वप्न देखते हैं, तो उसकी शुरूआत किसी बड़े सरकारी प्रोजेक्ट से नहीं, बल्कि चौराहे पर सही सिग्नल और सही दिशा का पालन करने से होगी। अपनी सुरक्षा के प्रति यह लापरवाही अंततः हमारे राष्ट्र के चरित्र को कमजोर करती है। याद रखिए, नियम तोड़ने से बचा हुआ समय आपको घर जल्दी पहुँचाए न पहुँचाए, जीवन के सफर को समय से पहले समाप्त जरूर कर सकता है।

समय आ गया है कि हम सब चलता-है वाली मानसिकता से बाहर निकलकर अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

बारिश से पहले नाला सफाई में देरी पर नगरसेवकों ने मनपा प्रशासन को घेरा

भिवंडी। मानसून आने में केवल बीस दिन शेष रहने के बावजूद भिवंडी शहर में अब तक नालों की सफाई पूरी नहीं होने का मुद्दा गुरुवार (7 मई) को हुई भिवंडी महानगरपालिका की महासभा में जोरदार तरीके से उठा। महासभा में नाला सफाई, अवैध निमार्णों पर कार्रवाई तथा अधिकारियों-कर्मचारियों की कथित मिलीभगत को लेकर तीखी चर्चा हुई। बैठक में नाला सफाई की निविदा प्रक्रिया को मंजूरी देने के साथ-साथ प्रभाग अधिकारियों की मनमानी, भ्रष्ट कार्यप्रणाली और अवैध निमार्णों पर कार्रवाई के दौरान आर्थिक लेनदेन के आरोपों पर भी सवाल उठाए गए। भाजपा नगरसेवक सुमित पाटील ने कहा कि हर साल मनपा प्रशासन नाला सफाई के काम में देरी करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह देरी ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए की जाती है? साथ ही प्रशासन से देरी का कारण स्पष्ट करने की मांग की। नगरसेवक यशवंत टावरे ने कहा कि हर वर्ष नाला सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रहती है। उन्होंने सुझाव दिया कि मनपा यदि खुद जेसीबी, पोकलेन और डंपर खरीदे तो पूरे वर्ष चरणबद्ध तरीके से काम कर करोड़ों रुपये बचाए जा सकते हैं। रोहित चौधरी ने कहा कि अब केवल बीस दिन बचे हैं, ऐसे में ठेकेदार कितना काम कर पाएंगे? उन्होंने मांग की कि नाला सफाई स्थानीय नगरसेवकों के निदेर्शानुसार की जाए। कमलाकर पाटील ने कहा कि प्रशासक काल में पिछले तीन वर्षों तक नाला सफाई में देरी हुई, जिसका खामियाजा भिवंडीकरों को भुगतना पड़ा। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस बार भी वही गलती दोहराई जाएगी? साथ ही प्रभाग स्तर पर नाला सफाई की निगरानी के लिए समिति गठित करने की मांग की।

बांग्लादेश में ई-सिगरेट और हीटेड टोबैको प्रोडक्ट्स पर लगा प्रतिबंध हटा, 6.2 मिलियन धूम्रपान करने वालों को मिलेगा इसका लाभ

मुंबई। 11 अप्रैल, 2026 को बांग्लादेश के संसद में संशोधित तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम पारित किया गया, जिसने अगली जनरेशन के निकोटीन प्रोडक्ट्स, जैसे हीटेड टोबैको प्रोडक्ट्स (एच.टी.पी) और ई-सिगरेट पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। यह कोई मामूली प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि नीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है, जिसने बांग्लादेश को ज्यादा समृद्ध और विकसित देशों से आगे लाकर खड़ा कर दिया है, जो अभी भी प्रतिबंध की नीति से चिपके हुए हैं, जिसकी विफलता साफ हो चुकी है। यह निर्णय किन्हीं काल्पनिक आँकड़ों के आधार पर नहीं लिया गया है। अमेरिका स्थित कंज्यूमर चॉइस सेंटर के अनुसार बांग्लादेश में 6.2 मिलियन से अधिक धूम्रपान करने वालों को अगर स्मोकलेस प्रोडक्ट्स उपलब्ध हों, जो जिम्मेदारीपूर्वक रैगुलेटेड एवं धूम्रपान छोड़ने में मदद करने के लिए पेश किए जाएं, तो वो सभी धूम्रपान का त्याग कर सकते हैं। यह संख्या न्यूजीलैंड की पूरी आबादी से बड़ी है। अभी तक इन लोगों को कम जोखिम वाले विकल्पों की उपलब्धता से वंचित किया जा रहा था, इसलिए नहीं कि ये विकल्प कारगर नहीं हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि किसी और जगह बैठे नीति निमार्ताओं ने नीति में प्रमाण की बजाय अपनी विचारधारा को जगह दे रखी है। लेकिन बांग्लादेश ने अलग रास्ता चुना है। बांग्लादेश ने अपने कानून में सुधार कर-के स्पष्ट सुरक्षा के साथ सरकार द्वारा नियंत्रित रैगुलेटरी फ्रेमवर्क अपनाया है, और वयस्क धूम्रपान करने वाले लोगों को विकल्पों के इस्तेमाल की अनुमति दी है, इससे जन स्वास्थ्य की रक्षा हुई है और युवाओं की निकोटीन उत्पादों तक पहुंच को सीमित किया गया है।

वॉलमार्ट ने भारतीय कारोबारियों के लिए वैश्विक स्तर पर अवसर बढ़ाने के लिए ग्रोथ समिट 2026 का आयोजन किया

ठाणे। वॉलमार्ट ने आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में वॉलमार्ट ग्रोथ समिट के दूसरे संस्करण इंडिया 2026 का आयोजन किया। इस आयोजन के जरिए निर्यात के लिए तैयार उद्यमों, एमएसएमई, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स, डी2सी विक्रेताओं और सप्लाई चेन भागीदारों को एक मंच पर लाया गया है, ताकि वे देश और विदेश दोनों बाजारों में विकास के नए अवसरों को तलाश सकें। वॉलमार्ट इंक के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जॉन फर्नर ने कहा, ह्यआज के वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत सबसे ज्यादा गतिशील अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमने अब तक भारत से 40 अरब डॉलर से ज्यादा के उत्पादों की सोर्सिंग की है और उद्यमियों को मजबूत करने एवं सप्लायर्स की क्षमता बढ़ाने, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण मानक स्थापित करने और मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को निर्यात के लिए तैयार करने में मदद मिली है। इससे व्यापक आर्थिक अवसर बन रहे हैं और इनोवेटिव कंपनियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का मौका मिल रहा है। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने इस बात को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है कि कैसे टेक्नोलॉजी और डिजिटल कॉमर्स से पूरे भारत में लाखों छोटे कारोबारियों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। फ्लिपकार्ट समर्थ और वॉलमार्ट वृद्धि जैसी पहलों के माध्यम से हम क्षमता निर्माण करने, बाजार तक पहुंच बेहतर करने और कंपनियों के लिए वैश्विक एवं घरेलू बाजार में विकास के रास्ते खोलने में मदद कर रहे हैं। हम लगातार समावेशी व्यवस्था बनाने और भारत में कॉमर्स इकोसिस्टम को सशक्त करने पर फोकस कर रहे हैं।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ने नए उद्देश्य और ब्रांड पहचान की घोषणा की; 2031 तक 5,00,000 करोड़ का लक्ष्य

मुंबई/पटना। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने आज अपने नए 'उद्देश्य' और ब्रांड पहचान का अनावरण किया। यह ग्रुप के विकासक्रम में एक निर्णायक मोड़ है, जो इसकी नई पहचान, रणनीति और महत्वाकांक्षा को भविष्य की प्रगति के साथ जोड़ता है। 129 वर्षों की सुदृढ़ विरासत और नए स्वरूप की आधुनिक ऊर्जा से प्रेरित यह पहचान ग्रुप के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रियल एस्टेट, फाइनेंशियल सर्विसेज, एग्रीकल्चर और केमिकल्स जैसे विविध पोर्टफोलियो में एक स्पष्ट रणनीतिक तालमेल स्थापित करती है। इस ऐतिहासिक बदलाव की घोषणा मुंबई स्थित मुख्यालय, 'गोदरेज वन' में आयोजित एक मीडिया बैठक में की गई।

पेटीएम ने वित्तीय वर्ष 26 में पहली बार पूरे साल मुनाफा कमाया, रेवेन्यू बढ़कर 8,437 करोड़ पहुंचा

मुंबई/पटना। पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने वित्त वर्ष 2026 में पहली बार पूरे साल का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी का कुल रेवेन्यू 22% बढ़कर 8,437 करोड़ रहा, जबकि पीएटी (शुद्ध लाभ) 552 करोड़ और ईबीआईटीडीए 502 करोड़ रहा। कंपनी ने बताया कि यह वृद्धि उपभोक्ता और व्यापारी भुगतान सेवाओं में बढ़ती हिस्सेदारी और एआई आधारित लागत बचत की वजह से हुई है।

मार्च 2026 तिमाही में पेटीएम का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,264 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल 18% बढ़ा। इस दौरान कंपनी का मर्चेंट जीएमवी 27% बढ़कर 6.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

कोलगांव ग्राम सचिवालय का लोकार्पण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत स्थित कोलगांव ग्रामपंचायती के नवनिर्मित ग्राम सचिवालय का बुधवार 6 मई 2026 को लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पालघर लोकसभा के सांसद डॉ. हेमंत विष्णू सवरा ने प्रमुख अतिथि के रूप में उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में पालघर विधानसभा के विधायक राजेंद्र गावित, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख कुंदन संखे, शिवसेना उपनेते ज्योतीताई मेहेर, नगरसेवक शेखर वडे और अमोल पाटील सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। लोकार्पण समारोह में सरपंच कुणाल चंद्रकांत पाटील, उपसरपंच किरण संकेत, तंटामुक्ती अध्यक्ष महोतुल पाटील, विभिन्न गांवों के सरपंच–प्रभाकर पाटील (उमरोली), शिल्पा मस्कर (आंद्रेभुरे), समीर मोरे (नांदगाव), प्रगती पाटील (पोचडे)–साथ ही ग्रामपंचायत सदस्य, कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर ग्रामपंचायती द्वारा मोफत स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें नेत्र जांच, वजन, रक्तग्रुप परीक्षण सहित अन्य स्वास्थ्य परीक्षण शामिल थे। लगभग 400 महिलाओं के लिए हल्दी-कुंकू कार्यक्रम आयोजित किया गया और उन्हें साड़ियाँ वितरित की गईं।

इसके अतिरिक्त, कांदलवन समिति के अंतर्गत 27 महिला बचत समूहों को विभिन्न आवश्यक सामग्री

प्रदान की गई। सरपंच कुणाल पाटील के जन्मदिन के अवसर पर एक विशेष पहल के तहत उन्होंने नेत्रदान पंजीकरण भी कराया, जिसे विशेष रूप से सराहा गया।

अपने भाषण में सरपंच पाटील ने ग्राम सचिवालय के निर्माण में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों का धन्यवाद किया और यह घोषणा की कि इस सम्मान के प्रतीक के रूप में ग्राम सचिवालय के परिसर में शिलापटल स्थापित किया जायेगा। विधायक राजेंद्र गावित ने कोलगाव ग्राम के लिए प्रवेश द्वार (कमान) निर्माण करने की घोषणा की, जबकि सांसद डॉ. हेमंत सवरा ने ग्राम सचिवालय के सामने सड़क और पूर्व-पश्चिम जोड़ने वाले पैदल पुल के निर्माण के लिए समर्थन और मंजूरी देने का आश्वासन दिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सरपंच कुणाल पाटील के नेतृत्व और लोक सहभागिता से कम समय में संपन्न हुए इस परियोजना की सराहना की और कहा कि यह ग्राम सचिवालय अन्य ग्रामपंचायतों के लिए आदर्श साबित होगा। इस अवसर पर तत्कालीन जिलाधिकारी गोविंद बोडके, तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे, माजी उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप, तहसीलदार रमेश शेंडगे, तलाठी संजय चुरी, सर्कल अधिकारी अनिल , मेहुल पाटील, कुंदन संखे व पूर्व गटविकास अधिकारी नरेंद्र रेवंडकर सहित कई लोगों का योगदान भी याद किया गया। कोलगांव ग्राम सचिवालय के लोकार्पण से अब ग्रामवासियों को प्रशासनिक सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी और इससे गांव के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मेरे जीवन को संवारने वाले पापा ही मेरे असली हीरो : राहुल तिवारी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मेरे जीवन को संवारने वाले, मुझे संस्कारित और सुशिक्षित करने वाले मेरे पापा ही मेरे असली हीरो हैं। अपने जन्मदिन पर श्री एलआर तिवारी इंजीनियरिंग कॉलेज, मीरा रोड में आयोजित कार्यक्रम के कॉफी टेबल प्रश्नोत्तरी में एक सवाल का जवाब देते हुए देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा करने वाला व्यक्ति ही अपने जीवन में विजेता बनता है। इसलिए हमेशा माता-पिता की सेवा और सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर चेयरमैन लल्लन तिवारी, सह सचिव श्रीमती कृष्णा तिवारी, सीओओ उत्सव तिवारी, जितेंद्र दुबे, श्रीमती सुमन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, देवाशीष शाहा, श्रीदेवी एमएन, मीरा भायंदर महानगरपालिका परिवहन समिति के सभापति एड. राजकुमार मिश्रा, भाजपा जिला मंत्री बृजेश तिवारी, डॉ मयूर दुबे, डॉ संजय मिश्रा, श्वेता चतुर्वेदी, प्रोफेसर एड. महेश काबरा, संतोष शर्मा, संजय दुबे, लल्लू तिवारी, अदालत पांडे, पत्रकार रविंद्र उपाध्याय, जितेंद्र तनवर समेत अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी सुंदर आयोजन किया गया।

कल्याण पश्चिम में आग की घटना में दो फ्लैटों का भारी नुकसान - नागरिकों की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम स्थित ऋतु रिवर व्यू क्लासिक नामक बहुमंजिला इमारत में गुरुवार सुबह भीषण आग लगने की घटना सामने आई। पांचवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट के हॉल में लगे एसी में विस्फोट होने से आग लगने की प्राथमिक जानकारी सामने आई है। इस आग में दो फ्लैटों को भारी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन घरेलू सामान का भारी नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार, सुबह अचानक एसी में विस्फोट होने के बाद कुछ ही क्षणों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पांचवीं मंजिल पर लगी आग तेजी से छठी मंजिल तक फैल गई। धुएं के घने गुबार पूरे परिसर में फैलने लगे, जिससे इमारत के रहवासियों में भय का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही कल्याण अग्निशमन विभाग के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जांच में यह भी सामने आया कि इमारत की अग्निसुरक्षा प्रणाली पूरी तरह से कार्यरत नहीं थी, जिसके कारण आग बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी साहस और सतर्कता का परिचय दिया। कुछ रहवासियों ने तुरंत पानी और प्राथमिक साधनों की मदद से आग को अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोकने का प्रयास किया। नागरिकों की इसी सतर्कता के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई। जिस समय आग लगी, उस वक्त संबंधित फ्लैट के हॉल में कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। हालांकि घर का फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य घरेलू वस्तुएं जलकर खाक हो गईं, जिससे बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। फिलहाल इस मामले की आगे की जांच अग्निशमन विभाग और खडकपाड़ा पुलिस द्वारा की जा रही है।

बिहार जन सेवा संस्था द्वारा मातृ दिवस, मजदूरों का सम्मान व महाराष्ट्र दिवस का 10 मई को होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत आगामी रविवार 10 मई 2026 को बोईसर शहर (प.) के टीमा ग्राउंड पर बिहार जन सेवा संस्था अपने चौथे वर्ष में मातृ दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस कार्यक्रम में मातृ पूजन, कामगारों का सम्मान और महाराष्ट्र दिवस कार्यक्रम शामिल होगा।

इस संबंध में जानकारी बिहार जन सेवा संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष बबन कुमार सिंह ने गुरुवार 7 मई को बोईसर ओस्तवाल स्थित एक्सप्रेस इन होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य कर्मभूमि की मिट्टी के सम्मान में मातृ

दिवस मनाना और मेहनतकशों के योगदान को सराहना है। बबन कुमार सिंह (बी.के.सिंह) ने बताया कि कार्यक्रम में 21 मजदूरों को उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए सम्मान और पारितोषिक भेंट किये जायेंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में मराठी, हिंदी और भोजपुरी गीत-संगीत की प्रस्तुतियां दी जायेंगी, जिसे दर्शक दीर्घा में बैठे अतिथि भरपूर आनंद के साथ देखेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन और विशेष अतिथि के रूप में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णू सावरा, बोईसर के विधायक विलास तरे तथा पालघर के विधायक राजेंद्र गावित अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज करेंगे। संस्था के अध्यक्ष बबन कुमार सिंह ने आमंत्रित करते हुए कहा कि कल कारखानों में कार्यरत सभी कामगार अपने परिवार के साथ सामूहिक प्रीतिभोज में भाग लेकर रंगारंग ऐतिहासिक कार्यक्रम का आनंद लें। पत्रकार वार्ता में संस्था की पालघर ईकाई के अध्यक्ष बीके झा, महिला प्रकोष्ठ प्रमुख किरण सिन्हा सहित अन्य कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

तारापूर एजुकेशन सोसायटी के दसवीं कक्षा के 1980 बैच का छठा स्नेह मिलन समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। तारापूर एजुकेशन सोसाइटी के रा. हि. सावे विद्यालय के दसवीं कक्षा के1980 बैच का छठा स्नेह मिलन कार्यक्रम 3 मई 2026 को आमराई फार्म में धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सहपाठियों को उनके कार्य और उपलब्धियों के लिए शाल व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्कूल की यादों को ताजा करते हुए बचपन से बने अटूट रिश्तों को नया जीवन मिला। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से नाम कमाने वाले मित्रों की सफलता ने सभी उपस्थितों को गर्व और प्रेरणा दी। सम्मानित अतिथि और सदस्यों में अणु ऊर्जा महामंडल में सेवा देने वाले ज्योति किणी, प्रमोद संखे, संजय सिन्नरकर तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत शशिकांत राऊत, लीलाराम केणी और उद्योग क्षेत्र में योगदान देने वाले संदीप राऊत, कुबेर पागधरे, सतीश सावे, रंजन संखे, महेश घरत, सुधीर संखे, अजय चंपानेरकर एवं शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि कल्पना पाटील, अंजना सावे, विजय म्हात्रे, प्रदीप पाटील, वैशाली चूरी तथा सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त सदस्य संजय

सावे, अशोक घरत, अरविंद वडे, दिनेश तामोरे एवं निजी क्षेत्र और समाज सेवा में योगदान देने वाले वसंत चुरी, प्रकाश संखे, अनिल पाटील, प्रवीण पाटील, मीना पाटील, शीला पाटील, स्नेहलता घरत के अलावा पुणे से आये संजय व सुनीता सिन्नरकर का विशेष स्वागत किया गया। इस दौरान बैच के दिवंगत सदस्यों में दिलीप राऊत, संजय आबाजी सावे, राजेंद्र घरत, हेमंत वनमाली, द्वारकानाथ मर्दे, प्रवीण संखे, प्रशांत सावे, हरीश सावे और अरविंद घरत को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुधीर संखे ने किया, जबकि अचला पागधरे, मनुजता राऊत, स्नेहा संखे, नम्रता किणी व मनीषा सावे ने दीप प्रज्वलन किया। मनुजता राऊत ने गणेश वंदना गीत प्रस्तुत किया।

स्वागत भाषण कल्पना पाटील ने दिया। प्रास्ताविक प्रस्तुति शशिकांत राऊत ने दी, जिसमें उन्होंने स्कूल के दिन और 72% अंक प्राप्ति की यादें साझा कीं।कार्यक्रम में प्रथम कक्षा के छात्रों द्वारा ह्लदेवा तुझे कितनीह्व कविता का सामूहिक गायन, गीत, मनोरंजक किस्से, खेल और नृत्य प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।आगे की गतिविधियों में पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण और नियमित संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन विजय म्हात्रे व कल्पना पाटील ने किया। इस विशेष समारोह की सभी जगह प्रशंसा हो रही है।

भाजपा नेता सिद्धेश तावड़े का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। सिद्धेश तावड़े का जन्मदिवस वसई रोड स्थित कार्यकताओं एवं भाजपा पदाधिकारियों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने सिद्धेश तावड़े को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम के दौरान समर्थकों ने केक काटकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर अपना स्नेह व्यक्त किया। पूरे आयोजन का माहौल हर्षोल्लास और उत्साह से भरा रहा। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि सिद्धेश तावड़े समाजसेवा एवं संगठन के कार्यों में सदैव सक्रिय रहते हैं,

जिसके कारण कार्यकताओं में उनके प्रति विशेष सम्मान और अपनापन है। जन्मदिवस समारोह में भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए और सभी ने मिलकर इस अवसर को यादगार बनाया।

भारत माता की जय बोलने में कोई ऐतराज नहीं, विरोध सिर्फ वंदे मातरम् से : फरहान आजमी

भिवंडी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव फरहान आजमी ने कहा कि भारत माता की जय बोलने में समाजवादी पार्टी को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनका विरोध केवल वंदे मातरम् कहने को लेकर है। वह बुधवार शाम भिवंडी मनपा मुख्यालय में समाजवादी पार्टी के गटनेता कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान रियाज आजमी, गटनेता आरिब याकूब शेख, नगरसेवक तथा पार्टी पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। फरहान आजमी ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया और भारत माता की जय के नारे भी लगाए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सपा प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने भी भारत माता की जय का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने कार्यालय उद्घाटन में भी राजनीति कर अड़चनें पैदा करने की कोशिश की, लेकिन अंततः मनपा आयुक्त ने कार्यालय को मंजूरी दी। इस कार्यालय के माध्यम से शहरवासियों

की समस्याओं का समाधान और जनसेवा का काम किया जाएगा। फरहान आजमी ने सपा विधायक रईस शेख पर भी तीखा हमला बोलते हुये कहा कि हम खुद रईस शेख को ढूंढ रहे हैं। अब वह अपनी छाती पर समाजवादी पार्टी का बैज भी नहीं लगाते। जनता ने उन्हें नहीं, बल्कि साइकिल चुनाव चिन्ह को वोट दिया था। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब हम साइकिल लेकर उन्हें खोजने निकलेंगे। फरहान आजमी ने बताया कि पार्टी ने रईस शेख को कारण बताओ नोटिस जारी की है, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भिवंडी में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और विपक्ष के विधायक होने के बावजूद रईस शेख सरकार की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की नागरिक समस्याओं पर आवाज उठाने के बजाय उनका व्यवहार भाजपा विधायक जैसा हो गया है।

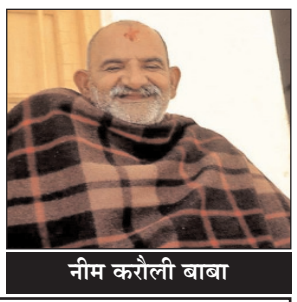

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में अलग-अलग पुलिस मुठभेड़ में तीन अपराधी गिरफ्तार

जौनपुर कोतवाली पुलिस मुठभेड़ में शातिर अपराधी गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के प्रयास समेत विभिन्न मामलों में वांछित एक शातिर अपराधी को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस, नकदी, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक बदमाश कटघरा की तरफ से तूतीपुर पीपा पुल होते हुए ताड़तला की ओर किसी वारदात को अंजाम देने आने वाला है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तूतीपुर चौराहे के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद एक संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर वह बाइक मोड़कर भागने लगा, लेकिन रेत और लोहे की चादर पर बाइक फिसलने से गिर पड़ा। गिरते ही उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में फायर किया गया, जिसमें आरोपी घायल हो गया।

पुलिस ने घायल आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान नफीस पुत्र मोहम्मद रफीक निवासी रौजाजमाल खां, अचला देवी घाट रोड, सिपाह थाना कोतवाली जनपद जौनपुर के रूप में हुई। उसके पास से एक देशी तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, 540 रुपये नकद, एंड्रॉयड मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह चोरी, लूट और छिनैती जैसी घटनाओं को अंजाम देता है तथा सुपारी लेकर अपराध करता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे पूर्व से दर्ज हैं।

बरसठी-रामपुर पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बदमाश घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बरसठी और थाना रामपुर पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस मुठभेड़ में एक हिस्ट्रीशीटर एवं लुटेरा बदमाश घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से देशी तमंचा, कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम परियत तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध युवक भदोही आलमगंज की तरफ से आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने महमूदपुर बैरी पट्टी तिराहा रसूलहा-आलमगंज मार्ग पर नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद बाइक सवार दोनों युवक दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया। पूछताछ में उसकी पहचान रुस्तम पुत्र मुस्लिम निवासी सहाबुद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के रूप में हुई। उसके कब्जे से एक देशी तमंचा 32 बोर, दो जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं फरार आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त पर लूट, चोरी, हत्या के प्रयास और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

मीरगंज-पवारा पुलिस की संयुक्त मुठभेड़ में शातिर अपराधी घायल, तमंचा व बाइक बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मीरगंज और थाना पवारा पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर श्री कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के पर्यवेक्षण में गुरुवार रात थाना मीरगंज पुलिस टीम कुंवरपुर तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान थाना पवारा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि एक शातिर अपराधी अवैध हथियार के साथ भागने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। चितांव की तरफ से आ रहे बाइक सवार युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन बाइक फिसलने से वह गिर पड़ा। पुलिस द्वारा पकड़ने का प्रयास किए जाने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान मो. उमर पुत्र सुहेल अहमद निवासी ग्राम चोरसण्ड, थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर के रूप में हुई। उसके पास से एक देशी तमंचा .315 बोर, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल बरामद की गई। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में उपचार हेतु सीएचसी मछलीशहर भेजा गया है। पुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम समेत कई गंभीर धाराओं में पूर्व से मुकदमे दर्ज हैं।

जौनपुर के बरसठी में अंबेडकर प्रतिमा पर पेशाब करने और थूकने से ग्रामीणों में आक्रोश, प्रदर्शन

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के मड़ियाहूं तहसील अंतर्गत बरसठी थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम सभा गहली के प्राथमिक विद्यालय परिसर में लगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पेशाब करने और पान खाकर थूककर क्षतिग्रस्त करने पर अंबेडकर प्रेमियों में आक्रोश व्याप्त हो गया। डॉ.भीमराव अंबेडकर के अपमान की सूचना पर जूटे ग्रामीणों ने बाराती आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग किया है।

आरोप है कि दिनांक 05 मई 2026 को गांव के दुबे बस्ती निवासी सचिंद्र दुबे के यहां आई एक बारात के कुछ बारातियों ने नशे की हालत में बाबा साहब की प्रतिमा पर पेशाब किया, थूका और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगी। लोगों का कहना है कि यह कृत्य न सिर्फ संविधान निमार्ता का अपमान है, बल्कि समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

सूचना मिलने पर बरसठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए दूसरी प्रतिमा लगवाने का आश्वासन दिया है और आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई करने की बात कह रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कठोर दंड दिया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जौनपुर के डोभी में भीषण सड़क हादसा, दो सगे भाइयों की मौत

शादी समारोह से लौटते समय बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर, मासूम समेत तीन गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के डोभी क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि पांच वर्षीय मासूम समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, मराड़ गांव निवासी हरिश्चंद्र विश्वकर्मा के पुत्र दीपक विश्वकर्मा (35) अपने पांच वर्षीय बेटे शिवांश और छोटे भाई आकाश विश्वकर्मा (22) के साथ बाइक से केराकत थाना क्षेत्र के मुरारे गांव स्थित ननिहाल से वापस घर लौट रहे थे। वे 7 मई को होने वाले शादी समारोह की मेहंदी रस्म में शामिल होकर लौट रहे थे।

बताया जा रहा है कि डोभी क्षेत्र के बगेरवा गांव के पास नारेपार में विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ढाला ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दीपक विश्वकर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल आकाश ने वाराणसी ट्रामा सेंटर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में दीपक का पांच वर्षीय पुत्र शिवांश गंभीर रूप से घायल हो गया।

अनियंत्रित बोलेरो बाइक को टक्कर मारने के बाद सड़क किनारे प्रभु यादव के घर के बाहर चारपाई पर बैठे दो चचेरे भाइयों अखिलेश (25) पुत्र रामलखन और राहुल (23) पुत्र रामजनम को भी रौंदते हुए एक दीवार से जा टकराई। दोनों युवक 13 मई को होने वाली शादी की तैयारियों में जुटे थे। हादसे में राहुल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद बोलेरो चालक को छोड़ वाहन में सवार अन्य लोग मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए ट्रामा सेंटर भेजा तथा बोलेरो और चालक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक दीपक अपने पीछे पत्नी विजेता विश्वकर्मा, जो आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री हैं, एक वर्षीय बेटी शीतल, मां नीरा देवी और छोटे भाई विकास को छोड़ गए हैं। दीपक और आकाश दोनों भाई इलेक्ट्रिक का काम कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। एक ही परिवार के दो बेटों की मौत से पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पिता हरिश्चंद्र पुत्र सत्यराम की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जौनपुर में डायल-112 सेवा को मिली मजबूती, एसएसपी ने वाहनों को दिखाई हरी झंडी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आमजन को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह ने पुलिस लाइन परिसर से डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को बेहतर पुलिसिंग और जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि डायल-112 पुलिस की आपातकालीन सहायता प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि सूचना मिलने पर निर्धारित समय के भीतर मौके पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने डायल-112 वाहनों एवं उनमें लगे उपकरणों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को सतर्कता, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की हिदायत दी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

वाराणसी में बड़ा हादसा: सेल्फी लेते समय गंगा में गिरे भाजपा नेता, 7 घंटे बाद मिला शव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। काशी के मान मंदिर घाट पर बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में भाजपा से जुड़े एक युवा नेता की गंगा में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक क्रूज पर खड़े होकर मोबाइल से फोटो और वीडियो बना रहे थे, तभी संतुलन बिगड़ने से वह नदी में गिर गए। काफी देर तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गुरुवार सुबह उनका शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान ग्रेटर नोएडा निवासी 27 वर्षीय हर्षवर्धन ठाकुर के रूप में हुई है, जो भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ में प्रदेश मंत्री के पद पर कार्यरत थे। वह अपने पांच दोस्तों के साथ वाराणसी घूमने और मंगला आरती में शामिल होने आए थे। जानकारी के अनुसार, सभी दोस्त बुधवार रात करीब साढ़े बारह बजे घाट क्षेत्र में पहुंचे थे। तड़के तीन बजे होने वाली मंगला आरती से पहले वे घाटों पर घूम रहे थे। इसी दौरान हर्षवर्धन एक क्रूज पर चढ़कर मोबाइल से सेल्फी और वीडियो बना रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दूसरे क्रूज पर जाने के दौरान उनका पैर फिसल गया और वह सीधे गंगा में जा गिरे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोस्तों और आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। कुछ गोताखोर भी तुरंत नदी में उतरे, लेकिन अंधेरा और तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। सूचना मिलते ही दशाश्वमेध थाना पुलिस और जल पुलिस मौके पर पहुंची और रात में ही तलाश अभियान शुरू किया गया।

स्पेशल ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर से सटे एफसीआई गोदाम के समीप बुधवार की शाम स्पेशल ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। आजमगढ़ जनपद के अहरौला थाना क्षेत्र के गनवारा कनरा गांव निवासी 28 वर्षीय दिलीप यादव पुत्र राम भुवाल शाम के समय चिरैया मोड़ के पास रेलवे ट्रैक के किनारे मौजूद था। इसी दौरान वाराणसी की ओर जा रही ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना कंट्रोल रूम से मिलते ही जीआरपी व आरपीएफ मौके पर पहुंच गई। जीआरपी ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।

मिलावट पर सख्ती, खाद्य विभाग की दो दुकानों पर छापेमारी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र में मिलावटखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर के दो दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान संदिग्ध खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। जिससे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। टीम ने कलेक्टरगंज स्थित दिलीप साहू के प्रतिष्ठान व अलीगंज घासमंडी स्थित फारूक खाद्य भंडार पर कार्रवाई की। यहां से पामोलिन ऑयल के नमूने संग्रहित किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। कार्रवाई में फूड सेफ्टी ऑफिसर अपराजिता तिवारी, मनोज कुमार वर्मा व विनोद कुमार यादव शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि मिलावटखोरी या मानक के विपरीत खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तेज रफ्तार इनोवा की टक्कर से खंभा गिरा, घर के बाहर सो रहे 22 वर्षीय युवक की मौत

कलीम सिद्दीकी

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भकुरा गांव में गुरुवार रात एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। एक अनियंत्रित इनोवा कार बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे खंभा टूटकर घर के बाहर सो रहे युवक पर गिर गया।यह घटना गुरुवार रात करीब 10:30 बजे हुई। जमुहाई से जौनपुर की ओर जा रही इनोवा कार तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि खंभा जड़ से टूटकर पास के एक घर के बाहर सो रहे युवक पर जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर सरायख्वाजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे का कारण इनोवा कार की तेज रफ्तार और अनियंत्रित होना है।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया है। वाहन चालक की पहचान और उसकी स्थिति के संबंध में जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क पर अंधेरे और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण न होने को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क किनारे सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होती और वाहन नियंत्रित गति से चलते, तो इस हादसे को टाला जा सकता था।

बस एजेंसी कर्मियों पर यात्री से मारपीट का आरोप, मुकदमा दर्ज

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। कंधरापुर थाना क्षेत्र के भंवरनाथ स्थित एक ट्रेवल्स कार्यालय पर बच्चे को बस में बैठाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि एजेंसी कर्मियों और बस स्टाफ पर एक व्यक्ति की पिटाई करने का आरोप लग गया। घटना में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरापट्टी निवासी अमरनाथ सिंह मंगलवार शाम अपने बच्चे को दिल्ली भेजने के लिए इंटरसिटी स्मार्ट बस में बैठाने पहुंचे थे। आरोप है कि ट्रेवल्स कार्यालय के कर्मचारियों ने बच्चे को बस से उतार दिया और बिना अनुमति सवारी बैठाने की बात कहते हुए विवाद शुरू कर दिया।

पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर कर्मचारियों ने पहले धक्का देकर जमीन पर गिराया, फिर डंडे से हमला कर दिया। मारपीट में बस चालक और कंडक्टर के शामिल होने की भी बात कही गई है। शोर-शराबा सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, जिसके बाद किसी तरह मामला शांत कराया गया।

अमरनाथ सिंह के मुताबिक हमले में उनके सिर के पीछे गंभीर चोटें आई हैं। साथ ही आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर कंधरापुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अस्थाई गो आश्रय स्थल सादनपुर बक्सा का डी एम ने किया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के द्वारा अस्थाई गो आश्रय स्थल सादनपुर बक्सा का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में भूसा, चारा की उपलब्धता, पानी की व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान गौशाला में साफ-सफाई अच्छी पाई गई। इसके साथ ही उन्होंने गोवंश के लिए बोए गए नेपियर घास को भी देखा। इस दौरान उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों और केयरटेकर से संवाद करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने गोवंशो को गुड़ एवं केला खिलाया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, सहित अन्य उपस्थित रहे।

7 मई से जनगणना प्रक्रिया के प्रथम चरण का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 परमानंद झा की उपस्थिति में कैंप कार्यालय में प्रमुख जनगणना अधिकारी/ जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने डिजिटल माध्यम से सूचनाओ को भर कर स्व जनगणना कार्यक्रम का शुभारंभ किया व जनपदवासियों से अपील किया है कि वह भी इसमें अवश्य सहभागिता करे। स्व-गणना 07 मई 2026 से 21 मई 2026 तक होगी। इसके अंतर्गत https://se.census.gov.in/ पर क्लिक करने पर पोर्टल पर 33 बिंदु पर सूचना मांगी जाएगी, जिसे भली भांति भरते हुए सबमिट करना होगा इसके पश्चात 10 अंकों का एसई-आईडी जनरेट होगा जिसे सुरक्षित कर अपने पास रखना होगा। 22 मई 2026 से 20 जून 2026 की अवधि में मकान सूचीकरण के दौरान प्रगणक के समक्ष इसे प्रस्तुत करना होगा।

जिला जज सुशील कुमार शशि, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने भी स्व जनगणना में डिजिटल माध्यम से अपना विवरण भरा।

इस अवसर पर उनके साथ जनगणना के नोडल अधिकारी युवराज गर्ग भी उपस्थित रहे।

सभी तहसीलों, विकासखंड तथा ग्राम पंचायत में स्व-गणना कैंप लगाते हुए लोगों को डिजिटल माध्यम से स्व-गणना करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा स्व गणना करने में उनकी सहायता भी की जा रही है जिससे इस प्रक्रिया में सभी की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित कराई जा सके।

इसी क्रम में जिलाधिकारी के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में विकास भवन स्थित समस्त कार्यालयों के अधिकारियों/कार्मिकों की जनगणना 2027 के कुशल संचालन,व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्व-गणना के लिए पोर्टल लॉगइन करने हेतु समस्त स्टेप की बारीकियों पर विस्तार से समझाते हुए सभी को अपना एवं अपने परिजनों का स्व-गणना करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए निर्देशित किया गया।

सत्र में नोडल अधिकारी/जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, उपायुक्त स्वतः रोजगार जितेंद्र प्रताप सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जनगणना कार्य निदेशालय के प्रतिनिधि युवराज गर्ग, जनपद के मास्टर ट्रेनर अजय कुमार मौर्य एवं विकास भवन के सभी अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पिपरी नगर पंचायत के मनोनीत सभासदों का हुआ शपथ ग्रहण, समारोह सम्पन्न

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी नगर पंचायत के कल्याण भवन में बुधवार को राज्यपल द्वारा मनोनीत सभासदों को माननीय राज्यपाल द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गरिमामय माहौल में हुआ सम्पन्न। इस अवसर पर प्रभाकर गिरि, प्रमोद जायसवाल, कृष्ण कुमार गौड़, प्रदीप सिंह रानू को उपजिलाधिकारी निखिल यादव ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद समर्थकों और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल देखा गया। जगह-जगह मिठाइयाँ बांटी गईं और लोगों ने खुशी का इजहार किया। शपथ ग्रहण में जिले से चलकर आई भाजपा जिला महामंत्री शारदा खरवार जी ने अपने संबोधन में शारदा खरवार ने इस नियुक्तियों को समर्पण, मेहनत और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान बताया है। इन से विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी तथा जनता की समस्याओं का समाधान और अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। मनोनीत सभासदों से क्षेत्र में विकास कार्यों को मजबूती मिलेगी और आमजन को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर चेयरमैन ममता अनिल सिंह, उमेश ओझा, पंकज मिश्रा, बृंदावन मौर्या, उदय नाथ मौर्या, किरण सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।